Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 11 June 2024

Dainik Jagran
Page 02

पड़ोसी देशों से रिश्तों की बेहतरी में मददगार होगा गोवि

राजनीति विज्ञान विभाग में शुरू होगा वार्डर स्टडीज प्रोग्राम, मजबूती की रणनीति तैयार करेंगे शोधार्थी

डा. राकेश राय • जागरण

गोरखपुर : शहर, देश और प्रदेश बदला जा सकता है पर पड़ोसी नहीं। वह हमारी ताकत भी बन सकते और कमजोरी का कारण भी। ऐसे में पड़ोसी से रिश्तों की बेहतरी जरूरी है। इसी अवधारणा को ध्यान में रखकर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग ने पड़ोसी देशों से रिश्तों की बेहतरी सुनिश्चित करने के लिए अकादमिक योजना बनाई है। विभाग बार्डर स्टडीज प्रोग्राम शुरू करने जा रहा है। राजनीति विज्ञान विभाग के इस प्रोग्राम के माध्यम से विश्वविद्यालय पड़ोसी देशों के साथ रिश्तों को बेहतर बनाने में देश की मदद करेगा। बार्डर स्टडी प्रोग्राम से जुड़ने के लिए राजनीति विज्ञान विभाग का विद्यार्थी होना जरूरी नहीं होगा। किसी विभाग का विद्यार्थी, जो अंतरराष्ट्रीय राजनीति में रुचि रखता और उसे लेकर उसके मन में कोई विचार है तो वह इस प्रोग्राम से जुड़कर अपनी सोच को अध्ययन का स्वरूप दे सकता है और इसके जरिये अपने विचारों को अंतरराष्ट्रीय राजनीति के नीति नियामकों तक पहुंचा सकता है। विभाग ऐसे अध्ययन का अवसर इस क्षेत्र में काम करने वाली सरकार और गैर सरकारी संस्थाओं को देगा। इसके लिए जरूरी नहीं होगा कि उसे पीएचडी में प्रवेश ले। विभाग से संपर्क स्थापित कर और विभागाध्यक्ष और उसकी टीम को संतुष्ट कर अपने अपने विचारों को शोध अध्ययन का स्वरूप दे सकता है। अध्ययन का स्वरूप विभाग प्रबंधन द्वारा तय किया जाएगा।

बार्डर स्टडीज प्रोग्राम के लिए होगी विशेष व्यवस्था

ऐसा नहीं कि राजनीति विज्ञान विभाग में पड़ोसी देशों के साथ संबंध पर शोध नहीं होता। इसे लेकर शोध हुए और हो भी रहे हैं, लेकिन उन पर फोकस नहीं है। ऐसे में कई बार सतही काम हो जाता है और बेहतर व उपयोगी कार्य होता भी है तो वह विभाग व विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी का हिस्सा बन कर रह जाता है। बार्डर स्टडी प्रोग्राम में ऐसे शोध अध्ययनों के लिए अलग से लाइब्रेरी विकसित की जाएगी। विचार-विमर्श के लिए कांफ्रेंस हाल सुनिश्चित किया जाएगा। इस प्रोग्राम के तहत हुए उपयोगी शोध अध्ययन को सुझाव के तौर विश्वविद्यालय देश के नीति नियामकों तक पहुंचाएगा। इस शोध अध्ययन को एक या एक से अधिक देशों की राजनीतिक व स्त्रातेजिक स्थिति को ध्यान में रखकर आगे बढ़ाया जाएगा।

यह होगा शोध अध्ययन का आधार

- वर्तमान में रिश्ते की स्थिति क्या है
- अगर विवाद है तो उसकी जड़ कहां है?
- पड़ोसी देश से रिश्ते का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्या प्रभाव है?
- जिस पड़ोसी देश से रिश्तों को लेकर खटास है, उसे मिठास में कैसे बदला जा सकता है?
- पड़ोसी देश से रिश्तों की बेहतरी के लिए क्या-क्या उपाय किए जा सकते हैं?
- अब तक रिश्तों को सुधारने में क्या-क्या कमी रही है। कहां चूक हुई है?

"राजनीति विज्ञान का अध्ययन क्षेत्र अत्यंत व्यापक है। इसके चलते कई बार कुछ जरूरी विषय भी सामान्य रूप से अध्ययन तक सिमट कर रह जाते हैं। पड़ोसी देशों से रिश्तों में सुधार को लेकर अध्ययन ऐसा ही जरूरी विषय है, जिसपर अबतक फोकस नहीं किया जा सका है। इसीलिए बार्डर स्टडीज प्रोग्राम की रूपरेखा तैयार की गई है।

प्रो. राजेश कुमार सिंह, अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, गोवि

विश्वविद्यालय की सामाजिक उपयोगिता तभी है, जब उसके शोध व अध्ययन देश व समाज के काम आए। राजनीति विज्ञान विभाग की यह योजना निश्चित रूप से इस लक्ष्य को पूरा करने वाली साबित होगी, ऐसा मेरा विश्वास है। इस पाठ्यक्रम को शुरू करने के लिए मेरी शुभकामना विभाग के अध्यक्ष व अन्य शिक्षकों के साथ है।"

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

अकादमिक उत्कृष्टता के लिए गोवि के विभागों ने बनाए विजन प्लान

- प्लान के अनुरूप विश्वविद्यालय विभागों को आवंटित करेगा संसाधन
- आज से कुलपति के सामने विभागवार शुरू होगी विजन प्लान की प्रस्तुति

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : अकादमिक उत्कृष्टता के लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के सभी विभागों ने कुलपति के निर्देश पर विजन प्लान तैयार किया है। यह प्लान विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विकास की दिशा भी तय करेगा। इसकी उत्कृष्टता और दूरदर्शी स्वरूप के आधार पर ही विभागों को संसाधन आवंटित करने की विश्वविद्यालय की योजना है। सभी विभागाध्यक्ष मंगलवार से अपने-अपने विजन प्लान की प्रस्तुति कुलपति प्रो. पूनम टंडन के समक्ष करेंगे और इसे लेकर उनका मार्गदर्शन भी प्राप्त करेंगे।

सभी विभागाध्यक्षों से विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कहा गया है की वह अपने-अपने विजन प्लान की संक्षिप्त प्रस्तुति दें। प्रस्तुति के दौरान उन्हें गागर में सागर भरने की परिकल्पना साकार करनी होगी। इस प्रस्तुति की तैयारी के लिए सभी विभागों को 10 जून तक प्लान तैयार करने को कुलपति की ओर से निर्देशित किया गया है। इस योजना के पीछे भी विश्वविद्यालय का मकसद शैक्षणिक गुणवत्ता, शिक्षण, शोध, नवाचार और समग्र रैंकिंग को बढ़ाना है। विजन के जरिये राष्ट्रीय शिक्षा नीति का अनुपालन भी सुनिश्चित हो, ऐसा भी निर्देश विवि प्रशासन की ओर से है।

एक, तीन और पांच वर्ष में विभाजित है विजन प्लान : हर विभाग ने अगले पांच का विजन प्लान तैयार किया है। इसके साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय के निर्देश पर प्लान को तीन भाग में विभाजित किया है। अल्पकालिक, मध्यकालिक और दीर्घकालिक। अल्पकालिक विजन प्लान की अवधि एक वर्ष, मध्यकालिक प्लान की अवधि तीन वर्ष और दीर्घकालिक प्लान की अवधि पांच वर्ष निर्धारित की गई है। प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय ने बताया कि विभागों की ओर से तैयार किए गए विजन प्लान हमें अपने शैक्षिक मानकों और संस्थागत रैंकिंग को बेहतर बनाने के लिए एक रणनीतिक रोडमैप तैयार करने में मदद करेंगे। विभागों ने इसे लेकर मेहनत की है। जिन विभागों का प्लान कमजोर होगा, उसे मार्गदर्शन के जरिये मजबूत करने में मदद की जाएगी।

Amar Ujala
Page - 07

बीटेक, बीबीए और बीसीए पाठ्यक्रमों की बढ़ी मांग

डीडीयू : बीएससी बायो और मैथ्स में भी बढ़ी है आवेदनों की संख्या

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्नातक और परास्नातक में प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया जारी है। इस बार विश्वविद्यालय में प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में प्रवेश को लेकर विद्यार्थियों की रुचि बढ़ी है। बीटेक, बीबीए, बीसीए और एमबीए जैसे पाठ्यक्रमों में आवेदन की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

प्रोफेशनल के साथ ही बीए और खासतौर पर बीएससी में भी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। पिछले वर्षों की तुलना में इस साल विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन की संख्या में इजाफा हुआ है। पिछले सत्र जहां करीब 41 हजार आवेदन आए थे वहीं, इस साल यह संख्या 60 हजार के पार पहुंच चुकी है। आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून है, ऐसे में विश्वविद्यालय को उम्मीद है कि यह संख्या अभी और बढ़ सकती है।

बीबीए में आए 1629 आवेदन : विश्वविद्यालय में बीबीए में 150 सीटें हैं। इसके लिए अभी तक 1629 आवेदन आ चुके हैं। वहीं, बीटेक में 3354, बीए 6735, बीए-एलएलबी 3200, बीसीए 3372, बीकॉम बैंकिंग इंश्योरेंस 1273, बीकॉम 2980, बीएचएमसीटी 305, बीएससी एजी 2728, बीएससी बायो 4845, बीएससी मैथ्स 3120 और बीएससी एमएलटी के लिए 1422 आवेदन आ चुके हैं। स्नातक में प्रवेश के यह आंकड़े 10 जून तक के हैं।

अमर उजाला मिशन एडमिशन

एमए संस्कृत, उर्दू और दर्शनशास्त्र में कम हुई विद्यार्थियों की रुचि

पढ़ाई, परीक्षा और परिणाम समय से आने की वजह से विश्वविद्यालय की छवि में सुधार हुआ है। इसी वजह से इस बार आवेदनों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। विद्यार्थियों का रुझान प्रोफेशनल कोर्स की तरफ बढ़ा है। हर कोई चाहता है कि कोर्स पूरा होने के बाद उसे अच्छी नौकरी मिल सके।

– प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

संस्कृत और उर्दू में नहीं दिखी रुचि

एक तरफ जहां विद्यार्थियों की प्रोफेशनल कोर्सेज में रुचि बढ़ी है वहीं, संस्कृत, उर्दू और दर्शनशास्त्र जैसे पाठ्यक्रमों में बहुत कम रुझान दिखा है। विश्वविद्यालय में एमबीए में 1141, एमकॉम 1131, एलएलबी 4063, एलएलएम 851, एमएससी जूलॉजी 1119, एमए पॉलिटिकल साइंस 719, समाजशास्त्र 425, इतिहास 470, एमएड 570 आवेदन आए हैं। वहीं, संस्कृत में 67, उर्दू 69 और दर्शनशास्त्र में 69 आवेदन आए हैं।

शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाएगा विजन प्लान, आज से प्रस्तुति

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के सभी विभागों ने कुलपति के निर्देश पर विजन प्लान तैयार किया है। मंगलवार से सभी विभागाध्यक्ष अपने-अपने विजन प्लान की प्रस्तुति कुलपति प्रो. पूनम टंडन के समक्ष करेंगे और उनका मार्गदर्शन प्राप्त करेंगे।

विश्वविद्यालय का मकसद शैक्षणिक गुणवत्ता, शिक्षण, शोध, नवाचार और समग्र रैंकिंग को बढ़ाना है। विजन के जरिये राष्ट्रीय शिक्षा नीति का अनुपालन भी सुनिश्चित हो, ऐसा भी निर्देश विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से दिया गया है। संवाद